Title: Regarding the strike of resident doctors of All India Institute of Medical Sciences (AIIMS).

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में रेज़ीडेंट डाक्टर्स दो दिन से हड़ताल पर हैं और आज तीसरा दिन है। बाह्य रोगी और आपातकालीन सेवायें बुरी तरह से प्रभावित हैं। हज़ारों मरीज़ ऐम्स से वापस आ गये हैं। सबसे ज्यादा दुखद बात यह है कि पिछले 6 महीनों में विभाग के कर्मचारियों और रेज़ीडेंट डाक्टरों के बीच में यह आठवां विवाद है। उसकी तरफ सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया और बजाय समझाने-बुझाने के 'एम्स' के निदेशक ने सात सदस्यीय समिति बना दी है, जो इस मामले की जांच करेगी।

सभापति महोदय, पूरे हिंदुस्तान से विभिन्न प्रकार के रोगी राहत पाने के लिए वहां आते हैं और ओ.पी.डी. में छ: से लेकर सात हजार मरीजों को रोजाना देखा जाता है । लेकिन कल सिर्फ सौ मरीजों को 'एम्स' में देखा गया । वहां बहुत दिनों के बाद लोगों को आपरेशन कराने के लिए तारीख मिलती है । कल वहां तीन सौ लोगों के आपरेशन होने वाले थे, लेकिन सभी मरीज वापिस चले गये । यह एक बहुत गम्भीर मामला है । वहां से हजारों मरीज वापस जा रहे हैं । कल तीन सौ लोगों का वहां आपरेशन नहीं हुआ । सबसे दुखद बात यह है कि इतना बड़ा सवाल होने के बावजूद भी स्वास्थ्य मंत्रालय कुछ नहीं कर रहा है। अध्यक्ष महोदय आप बहुत चिन्तित हैं कि यह सदन व्यवस्थित रहे, हम भी चाहते हैं कि सदन व्यवस्थित हो, उसकी एक आचार-संहिता हो। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि जब गम्भीर सवालों पर सरकार रीएक्ट नहीं करती, जब जनजीवन से जुड़े हुए महत्वपूर्ण सवालों पर सरकार का रवैया सकारात्मक नहीं होता तो ऐसी परिस्थिति में क्या किया जाए । यह इतना गम्भीर मामला है, वहां के निदेशक ने कमेटी बना दी है â€¦ (व्यवधान) संसदीय कार्यमंत्री श्री प्रमोद महाजन यहां बैठे हैं, मैं चाहूंगा कि भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय से बात करके इस समस्या का जल्दी समाधान करे । धन्यवाद ।â€¦ (व्यवधान)

सभापति महोदय : जिन सदस्यों ने सूचना दी है, उन्हें मौका मिलेगा, आप बैठिये। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : हम लिस्ट के हिसाब से चल रहे हैं, आपका नाम लिस्ट में है, आपको बुलायेंगे।